[रेणुका से रश्मिरथी तक]

"..........मैं यह जानता हूँ कि तुम्हारी राय मेरे बारे में क्या है। यह मीठा भी है और तल्ख भी और तब भी मैं समझता हूँ कि तुम जानदार आलोचक हो।"

कवि दिनकर लेखक को भेजे गये एक पत्र से—